संपूर्ण पत्रिका

विज्ञान प्रगति अपने नाम के अनुरूप विज्ञान में हमारी सोच को गति दे रही है। विज्ञान में ज्ञान बढ़ाने के लिए विज्ञान प्रगति हिन्दी भाषा में एक सरल, सुस्पष्ट व संपूर्ण पत्रिका है। विज्ञान प्रगति का अप्रैल 2013 का अंक प्राप्त हुआ। इसमें आमुख कथा के अन्तर्गत चित्रण जैसे-जैसे आगे बढ़ता है, उसमें शोध के दौरान की घटित घटनाएं, महत्वाकांक्षा, लग्न व नियति के खेल का सुन्दर वर्णन मिलता है। शोध के दौरान कार्य करने में न जाने कैसी-कैसी समस्याएं आती हैं, लेकिन जुझारू लोग संघर्ष करना नहीं छोड़ते हैं। विशेष लेख 'यह भी घातक वह भी घातक' में धातुओं द्वारा हो रहा प्रदूषण जागरूक करने वाला रहा। सीएसआईआर द्वारा तैयार दवाओं में भारतीयता झलकती है। विशेष लेख अदृश्य, अद्भुत व शर्मिला कण न्यूट्रिनो उत्सुकता बढ़ाने वाला रहा। चित्रकथा विज्ञान की शान ये वैज्ञानिक महान का स्तम्भ मुझे हमेशा विशेष लगता है क्योंकि स्कूली बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने में यह स्तम्भ मेरी मदद करता है। 'सवाल जब-जब, जवाब तब-तब' में 'सर आइन्सटीन' पर दिए गए जवाबों का ढंग रोचक लगा। उनके व्यक्तिगत जीवन के बारे में जानकारी अच्छी थी। कुल मिलाकर यह अंक प्रेरित करने वाला रहा।

श्री आदर्शवीर भारद्वाज, प्रजापत मौहल्ला, मिलाप नगर, रुड़की (हरिद्वार) [मो. : 09927212855]

पसंदीदा पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति का लगभग एक साल से नियमित पाठक हूँ। इस बार पहली बार अप्रैल 2013 का अंक मुझे नई दिल्ली में 8 दिन पहले मिल गया। विज्ञान प्रगति के विशेषांक अच्छे लगते हैं। आपके पत्र कालम में मुझे उमाशंकर मिश्र की लिखी गयी कवितायें जो विज्ञान प्रगति के सम्बन्ध में लिखी गयी हैं, बहुत पंसद आयीं। विज्ञान प्रगति के प्रत्येक अंक के सबसे श्रेष्ठ भाग में विज्ञान के सवाल जवाब इस पत्रिका की आत्मा होते हैं।

श्री अजीत उर्फ सी = 2 ओम प्रकाश स्ट्रीट, मकान न. 5, धोबी बस्ती, आश्रम, नई दिल्ली 110014
[मो. : 09015377574; 09616123467]

रोचक अंक

विज्ञान प्रगति का अप्रैल 2013 का अंक मुझे बेहद रोचक लगा। इस अंक की रोचक जानकारी विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी रही है। अरविन्द मिश्र का लेख यह है धूमकेतुओं का वर्ष बहुत सामयिक व रोचक लगा। दरअसल ऐसे लेख विद्यार्थियों की कल्पना शक्ति को भी बढ़ाते हैं। विद्यालय की प्रार्थना सभा में इसी पत्रिका से लिए गए पाँच प्रश्न व उनके उत्तर विद्यार्थियों में नई लग्न पैदा कर रहे हैं। मुझे लगता है कि यह पत्रिका हम सभी के लिए पठनीय है। आगामी अंकों में भी ऐसी सामग्री मिलेगी तो निष्प्राण हो रही विज्ञान शिक्षा में एक नई क्रांति का सूत्रपात होगा। हमारी ओर से आपको शुभकामनाएं।

श्री हरदेवा राम लखेरा, गाँव + पोस्ट राजपुरा, थाना तारानगर, जिला - चूरू (राज.)

अनमोल हीरा

मैं बी.एससी. (एग्रीकल्चर) का छात्र हूँ तथा विगत दो वर्षों से विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। मैंने अपने दोस्तों को भी विज्ञान प्रगति पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है और अब वे भी इसके सदस्य बन गए हैं। विज्ञान प्रगति के अप्रैल 2013 के अंक की आमुख कथा 'डबल हेलिक्स डी.एन.ए. की खोज के 60 वर्ष : कहानी जीवन की' पसंद आयी। मुझे पहले डी.एन.ए. के बारे में पता तो था लेकिन उसकी खोज के बारे में जानकारी इस अंक की आमुख कथा से ही हुई। इस अंक का विशेष लेख 'यह भी घातक वह भी घातक' पढ़कर तो कान खड़े हो गए, क्योंकि आजकल एल्यूमीनियम का प्रयोग बहुत बड़ी मात्रा में हो रहा है जो कि हमारे शरीर पर बहुत बुरा प्रभाव डालता है। इस अंक में एल्यूमीनियम के शरीर पर पड़ने वाले बुरे प्रभाव के बारे में पढ़कर मैंने इसका कम से कम उपयोग करने की कोशिश की है। विज्ञान प्रगति एक अनमोल हीरा है जो हमें नई-नई खोजों व तकनीकी ज्ञान के बारे में बताती है।

श्री सहदेव सिंह यादव, सुपुत्र श्री राधे श्याम यादव, ग्राम+पोस्ट-शिवपुरी राघाली, तहसील - फरीदपुर, जिला-बरेली 243506 (उ.प्र.) [मो. : 09760054279]

उपयोगी पत्रिका

मैं एम.एससी. (भौतिकी) का छात्र हूँ तथा विज्ञान प्रगति पत्रिका का पिछले 5 वर्षों से नियमित पाठक हूँ। विज्ञान प्रगति विज्ञान पसन्द करने वाले व्यक्तियों के लिये एक ईंधन की भाँति कार्य करती है। विज्ञान प्रगति अपने आप में एक सम्पूर्ण पत्रिका है। मुझे विज्ञान प्रगति का अप्रैल 2013 का अंक प्राप्त हुआ। इसमें दी गई सभी जानकारियाँ अत्यन्त उपयोगी एवं महत्वपूर्ण लगीं। इसमें नरसिंह दयाल द्वारा प्रस्तुत आमुख कथा अत्यन्त ही प्रिय लगी। परन्तु यह जानकर दुःख हुआ की जीवन की गुत्थी को सुलझाने वाली एवं समर्पित विज्ञान की देवी 'रोजालिण्ड फ्रैंकलिन' को बहुत कम लोग जानते हैं। परन्तु इस पत्रिका ने विज्ञान की देवी के विषय में जानकारी प्रदान करके उनके प्रति अपना सम्मान प्रदर्शित करने के लिये बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया।

इसके अतिरिक्त विशेष लेख 'यह भी घातक वह भी घातक' 'स्वास्थ्य का संसार और सी.एस.आई.आर.' 'विज्ञान समाचार' 'यह है धूमकेतुओं का वर्ष' 'अन्तर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन प्रथम गुब्बारेनुमा आवासीय मॉड्यूल 'बीम' अत्यन्त ही महत्वपूर्ण एवं ज्ञानदायी लगे। इसमें के. डी. पुरोहित द्वारा प्रस्तुत विशेष लेख 'अदृश्य, अद्भुत व शर्मिला कण न्यूट्रिनो' मेरे जैसे अन्य विद्यार्थियों के लिये अत्यन्त लाभकारी लेख है। इस बार आइंस्टाइन पर दी गई जानकारी 'सवाल जब-जब, जवाब तब-तब' अत्यन्त ज्ञानमयी एवं प्रशंसनीय लगी। इसके अतिरिक्त विज्ञान प्रश्न व विज्ञान क्विज़ भी अत्यन्त महत्वपूर्ण लगे। मुझे इसमें दी जाने वाली चित्रकथा बड़ी प्रिय लगती है। अंततः मैं कहना चहूँगा कि विज्ञान प्रगति में दिया गया एक-एक शब्द अत्यन्त महत्वपूर्ण, रोचक, ज्ञान व प्रमाणिकता से परिपूर्ण होता है।

श्री सर्वेश कुमार गुप्ता, वैष्णव नगर बिल्हौर, कानपुर नगर 209202 (उ.प्र.) [मो. : 09044846842]

ज्ञानवर्धक पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। मुझे इस पत्रिका का अप्रैल 2013 का अंक प्राप्त हुआ जिसने मुझे प्रभावित किया। मुझे विज्ञान प्रगति के सभी स्तंभ बहुत अच्छे एवं ज्ञानवर्धक लगते हैं। इसमें छपी वर्ग पहेली, सवाल जवाब, विज्ञान समाचार, विज्ञान प्रश्न तथा हम सुझाएं आप बनाएं आदि लेख बहुत ही रूचिपूर्ण तथा ज्ञान से परिपूर्ण लगते हैं। यह पत्रिका सभी के लिए एक प्रेरणा स्रोत का कार्य करती है विज्ञान प्रगति वास्तव में एक अद्वितीय पत्रिका है। अंत में मैं विज्ञान प्रगति के सभी पाठकों एवं सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाओं के साथ प्रणाम करता हूँ।

श्री अजय कुमार प्रभाकर, सुपुत्र श्री सुरेश चन्द्र, मोहल्ला-बिजलीपुरा, म.न. 156, निकट, नलकूप न. 12 शाहजहाँपुर (उ.प्र.) [मो. : 08960744012]

गागर में सागर

मैं वर्ष 2008 से विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ और इसके प्रत्येक अंक का सूक्ष्मता एवं गहनता से अध्ययन करता हूँ। यह पत्रिका गागर में सागर की तरह है। इसका प्रत्येक कॉलम काफी रोचक होता है जिसके अध्ययन से विज्ञान से जुड़ी दुर्लभ जानकारियाँ प्राप्त की जाती हैं। विज्ञान प्रगति की जितनी प्रशंसा की जाए वह कम ही होगी क्योंकि इससे असीमित जानकारियाँ मिलती रहती हैं। इस पत्रिका के विभिन्न स्तंभ दिल को छू जाते हैं।

श्री मंतव्य राज पाण्डेय, ग्राम + पोस्ट-पंडित के रामपुर, सीवान, (बिहार) [मो. : 08002413554]

उत्साहवर्धक पत्रिका

विज्ञान प्रगति के प्रत्येक अंक के माध्यम से हमें हर बार कुछ नया सीखने का मौका मिलता है और हमें अपनी मंजिल की तरफ बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। अप्रैल 2013 की आमुख कथा बहुत पसंद आयी। इस अंक के हम सुझाएं आप बनाएं लेख से मिली जानकारियों के अनुसार मैंने स्वचालित नल संकेतक बनाया जिससे हमारे बहुत से कार्य आसान हो गए हैं, यह काफी लाभदायक भी है। प्रत्येक माह का विज्ञान क्विज़ काफी महत्वपूर्ण होता है जिसका अध्ययन करके प्रतियोगी परीक्षा में बेहतरीन अंक लाए जा सकते हैं। अप्रैल माह का विज्ञान क्विज़ आपदा प्रबन्धन बड़ा रोमान्चकपूर्ण था।

श्री प्रिन्स दूबे, सुपुत्र श्री अनिल दूबे, वार्ड न. 7, घुघली, महराजगंज (उ.प्र.) [मो. : 09415470683
ई-मेल : dubeyprince.ad@gmail.com]

संग्रहणीय पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति का वर्ष 2007 से नियमित पाठक हूँ तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग का प्रथम वर्ष का छात्र हूँ। मैंने अप्रैल 2013 के अंक का अध्ययन किया, जिसमें मुझे अत्यन्त प्रभावशाली लेख

पढ़ने को मिले। यह साईंटिफिक युग है, जिसमें विज्ञान की अत्यन्त आवश्यकता है और मैं विज्ञान प्रगति के इस कदम की सराहना करता हूँ। मैंने विज्ञान प्रगति के सभी अंकों का संग्रहण कर रखा है। अप्रैल माह के अंक में 'अन्तर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन प्रथम गुब्बारेनुमा आवासीय मॉड्यूल 'बीम', 'अदृश्य, अद्भुत व शर्मीला कण न्यूट्रिनो' बहुत पसन्द आए साथ ही विज्ञान समाचार ज्ञानवर्धक लगा।

श्री वैभव श्रीवास्तव, ग्रा. व पो.-टड़वा मौलाई, जिला-अम्बेडकर नगर, थाना- जलालपुर 224155 (म.प्र.)
[मो. : 08795563131; 08869982482;
ई-मेल : vaibhavsrivastav281@gmail.com]

मददगार पत्रिका

मैं कक्षा 10 का छात्र हूँ और विज्ञान प्रगति का पिछले पाँच वर्षों से नियमित पाठक हूँ। इस समय मैं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा हूँ। मैं हर माह विज्ञान प्रगति पत्रिका का बेहद बेसब्री से इन्तजार करता हूँ। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि विज्ञान प्रगति से मुझे प्रतियोगी परीक्षाओं में बहुत मदद मिलेगी। मुझे लगता है कि विज्ञान प्रगति में ज्ञान विज्ञान के समस्त अवयवों को ध्यान में रखकर ही इसके अंकों को प्रकाशित किया जाता है।

श्री राजीव कुमार, राजेन्द्र उच्च विद्यालय पहलेजपुर, गोरेयाकोठी (सिवान) बिहार [मो. : 08228083597]

आत्म साक्षात्कार की कुंजी

विज्ञान प्रगति मार्च 2013 का अंक मुझे बहुत रोचक लगा। विज्ञान प्रगति ने सभी के दिलों में ऐसी जगह बना ली है कि शायद ही कोई और पत्रिका बना पाये। विज्ञान प्रगति के माध्यम से मैंने अनेक प्रयोग करके बहुत कुछ सिखाया व प्रयोग किये जो कि बहुत सिद्ध हुये। ट्रेनों का आवागमन तथा ट्रेनों के पुलों के निर्माण के बारे में बहुत अच्छी जानकारी प्राप्त हुई।

श्री उपेन्द्र प्रताप सिंह ठाकुर, सुपुत्र श्री अतरपाल सिंह, गांव-निवाड़ खास, पोस्ट-मानपुर, जिला-मुरादाबाद-244001 (उ.प्र.)
[मो. : 09536697465; 09759387506;
ई-मेल : upendersingh@gmail.com]

ज्ञानमयी पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। विज्ञान प्रगति का मार्च 2013 का अंक पढ़ा जिसमें विज्ञान के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हमें नए ज्ञान की प्राप्ति हुई। मुझे 'विज्ञान क्विज़' से आज के दौर की सारी जानकारियां मिलती हैं। विज्ञान प्रगति मुझे बहुत अच्छी लगती है। यह पत्रिका ज्ञान देने के साथ-साथ नई तकनीकों एवं नई खोजों हमें बताती है। हम ईश्वर से कामना करते हैं कि यह पत्रिका न सिर्फ भारत में बल्कि पूरी दुनिया में आगे बढ़कर उन तमाम लोगों के पास पहुँचकर नए समाज की रचना करे और हमारे देश का नाम रोशन करे।

श्री चंदन गुप्ता, (संस्थापक) स्मार्ट बिजनेस ग्रुप, पटना, (बिहार) [मो. : 09308731506]

प्रकाशमयी पत्रिका

मैं इण्टर (द्वितीय वर्ष) का छात्र हूँ तथा पिछले अनेक वर्षों से विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। इस पत्रिका में विभिन्न प्रकार की ज्ञानवर्द्धक बातों को बहुत ही सहजता से बताया जाता है। मुझे इसके सभी लेख अच्छे लगते हैं। मैं यह कहूँगा कि यह एक प्रकाशमयी पत्रिका है इसलिए सभी विद्यार्थियों को यह पत्रिका अवश्य ही पढ़नी चाहिए। यह पत्रिका हर क्षेत्र में ज्ञानवर्द्धक है। खासतौर पर विज्ञान प्रगति का विज्ञान गल्प हमें विज्ञान के क्षेत्र में कुछ नया करने का रास्ता दिखाता है। इस पत्रिका का हर अंक विज्ञान के खजाने में एक अतिरिक्त खजाने के रूप में जुड़ जाता है। अप्रैल 2013 के अंक में विशेष लेख 'यह भी घातक वह भी घातक' जानकारी से भरपूर लगा। इसके अलावा सवाल जब जब जवाब तब तब भी अच्छा लगा।

श्री नमूना पंडित, सुपुत्र श्री रामा पंडित, ग्राम-खाप मिश्रौली, पोस्ट-शाहपुर जिला सी. बि. [मो. : 08298469450]

पुराने पाठक से

हमारे घर में विज्ञान प्रगति पत्रिका पढ़ने की शुरुआत तब से है जब इसकी कीमत मात्र 75 पैसे हुआ करती थी। उस समय से लेकर आज तक हमारे घर में विज्ञान प्रगति पढ़ी जा रही है। कुछ वर्ष हम विज्ञान प्रगति पढ़ने से वंचित रहे, परंतु फिर भी हम उन पुराने से पुराने पाठकों में से एक हैं जिन्होंने विज्ञान प्रगति पत्रिका पढ़ने की शुरुआत की। विज्ञान प्रगति एक लोकप्रिय हिन्दी मासिक विज्ञान पत्रिका है जो सारे भारत में विज्ञान का बोध कराने वाली एक मात्र अग्रणी पत्रिका है। विज्ञान को समर्पित विज्ञान प्रगति दिन दूनी रात चौगुनी आगे बढ़े तथा हम पाठक गण यह आशा करते हैं कि हमारी यह प्रिय पत्रिका भारत की सबसे ज्यादा पढ़ने वाली पत्रिका बने! यदि पत्रिका के पृष्ठों एवं पत्रिका के मूल्य में कुछ बढ़ोत्तरी हो भी जाए तो कोई बात नहीं क्योंकि 'विज्ञान' कुछ पैसों के बढ़ने से रुक नहीं जायेगा!

श्री ईश्वर भारती, श्री निर्मल मेमोरिअल हॉस्पिटल, विकास बिहार कॉलोनी, रायपुरा, रायपुर 492013 (छत्तीसगढ़)

क्या है विज्ञान प्रगति

विज्ञान प्रगति के लेखों की आदि व इति
यद्यपि बहुत पुरानी है।
वृक्षों/लताओं/पौधों/परिन्दों की
की ये अनमोल कहानी है।
सच का सामना/सत्यों का उद्घाटन
तथ्यों का साक्ष्य इसकी र-वानी है।
सृष्टि का सारगर्भित/जलवायु का इतिहास
यत्र-तत्र पड़े तृण रूपों को ये पहचानी है।
बढ़े पैदावार कृषक बनें समझदार
विज्ञान-प्रगति के लेखकों ने ऐसी ही ठानी है।
खत्म हो अन्ध-विश्वास/सामने आए हकीकत/वैज्ञानिकता
ऐसा ही विज्ञान-प्रगति ने तलवार तानी है।
आंशिक शुल्क/कोई टैक्स नहीं/अतिरिक्त कोई मूल्य नहीं
दानियों का दानी विज्ञान प्रगति महा-दानी है।

श्री उमाशंकर मिश्र, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, श्रम मन्त्रालय, वाराणसी, (उ.प्र.) भारत सरकार [मो. : 08005303398]

ज्ञान का खजाना

मैं विज्ञान प्रगति का वर्ष 2007 से नियमित पाठक हूँ। इसका प्रत्येक अंक मुझे बहुत ही रोचक और ज्ञानवर्धक लगता है। मैं विज्ञान प्रगति को ज्ञान का खजाना मानता हूँ क्योंकि इस पत्रिका के माध्यम से प्राप्त होने वाली नवीन जानकारियां विद्यार्थियों के साथ-साथ प्रत्येक वर्ग एवं विषय के व्यक्तियों के लिए बहुपयोगी और ज्ञानवर्धक होती हैं। विज्ञान प्रगति का मार्च 2013 का अंक बेहद रोचक एवं ज्ञानवर्धक लगा। श्री विमलेश चन्द्र जी के विशेष लेख 'रेलवे इंजीनियरिंग निर्माण की अद्भुत मिसाल : थाल एवं भोरघाट' के माध्यम से रेलवे विभाग की अति महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुयी।

श्री विमल वर्मा, मोहल्ला-दुर्गाप्रसाद, निकट कोल्ड स्टोर, बीसलपुर, जिला-पीलीभीत 262201 (उ.प्र.)

ज्ञान की गंगा

मैं विज्ञान प्रगति का फरवरी 2012 से नियमित पाठक हूँ और पेशे से एक 'भोजपुरी गायक' हूँ। विज्ञान प्रगति के माध्यम से मुझे बहुत-सी ऐसी महत्वपूर्ण जानकारियाँ मिलीं, जिन्हें न तो मैंने कभी पढ़ा था, और न ही सुना था। जैसे- 'चाय बगानों से प्याले तक', 'औषधीय घास', लद्दाख और वहाँ के परिवेश के बारे में जानना बहुत रोचक लगा। जून 2012 का 'विश्व पर्यावरण दिवस' पर विशेषांक और मार्च 2013 के विशेष लेख 'ये हवाई अड्डे' और 'विश्व की विचित्र रेलगाड़ियां' को पढ़कर मन गदगद हो उठा। इन तमाम जानकारियों के लिए विज्ञान प्रगति की पूरी टीम को शत् शत् प्रणाम करता हूँ। मेरा आपसे निवेदन है कि विज्ञान प्रगति के आगामी अंकों में सिनेमा से जुड़ी तकनीकों के बारे में बताने की कृपा करें। विज्ञान प्रगति अपने आप में ज्ञान की गंगा है। मैं चाहूँगा की इस ज्ञान रूपी गंगा का संचार भारत के आलावा विदेशों में भी हो।

श्री रणधीर पटेल, सुपुत्र श्री विजय पटेल, मकान नम्बर 558 सैक्टर-17, फरीदाबाद 121002 (हरियाणा) [मो. : 09990181812
ई-मेल : randheerpatel@gmail.com]

तिलिस्मी इल्म का खजाना

मैं बी.एससी. (तृतीय वर्ष) का छात्र हूँ तथा पिछले अनेक वर्षों से विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। विज्ञान प्रगति के प्रत्येक अंक में मुझे हमेशा नवीन ज्ञान की प्राप्ति होती रही है जिससे मैं अपने विषय में अपना सर्वश्रेष्ठ देने में सफल रहा हूँ। इस पत्रिका में लिखित प्रत्येक लेख अपने आप में अद्वितीय व अभूतपूर्व होता है। इसके प्रत्येक अंक की विषय-वस्तु व आकर्षक चित्र अपने आप में अद्वितीय होते हैं। वास्तव में विज्ञान प्रगति का प्रत्येक शब्द ज्ञानरूपी तिलिस्म से भरपूर होता है जिसे पढ़ते ही दिलो-दिमाग के अन्दर ज्ञानरूपी शमा जल उठती है।

श्री मुरली मनोहर यादव, सुपुत्र डा. हरनारायण सिंह यादव पेट्रोल पम्प के पास, गुरसराय रोड, कस्बा-मोंठ, जिला-झांसी 284303 (उ.प्र.) [मो. : 08004099354
ई-मेल : murlimanohary@gmail.com]